49. **उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ कुल लागत एवं कुल स्थिर लागत का अन्तर—**
(a) बढ़ता जाता है (b) स्थिर रहता है (c) घटता जाता है (d) घटता-बढ़ता रहता है।
उत्तर—(a) बढ़ता जाता है।

50. **उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन का प्रभाव—**
(a) केवल स्थिर लागतों पर पड़ता है
(b) केवल परिवर्तनशील लागतों पर पड़ता है
(c) स्थिर एवं परिवर्तनशील लागतों पर पड़ता है
(d) उपर्युक्त में से किसी पर नहीं पड़ता।
उत्तर—(b) केवल परिवर्तनशील लागतों पर पड़ता है।

51. **उत्पादन बन्द कर देने पर—**
(a) स्थिर लागतें बढ़ जाती हैं
(b) परिवर्तनशील लागतें कम हो जाती हैं
(c) परिवर्तनशील लागतें शून्य हो जाती हैं
(d) स्थिर लागतें शून्य हो जाती हैं।
उत्तर—(c) परिवर्तनशील लागतें शून्य हो जाती हैं।

52. **निम्नलिखित में सही कथन बताइए—**
(a) $TVC = TC - TFC$
(b) $TC = TVC - TFC$
(c) $TFC = TVC + TC$
(d) $TC = TVC \times TFC$.
उत्तर—(a) $TVC = TC - TFC$.

53. **अवसर लागत का वैकल्पिक नाम है—**
(a) आर्थिक लागत (b) सन्तुलन मूल्य (c) सीमान्त लागत (d) औसत लागत।
उत्तर—(a) आर्थिक लागत।

54. **निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है—**
(a) $AC = AFC + TVC$
(b) $AFC = AC + TC$
(c) $AC = AFC + AVC$
(d) $TC = AC - AVC$.
उत्तर—(c) $AC = AFC + AVC$.

55. **उत्पादन की 5 इकाइयों की औसत स्थिर लागत ₹ 20 है। 5 इकाइयों की औसत परिवर्तनशील लागत ₹ 40 है। 5 इकाइयों की औसत लागत कितनी है—**
(a) ₹ 20 (b) ₹ 40 (c) ₹ 80 (d) ₹ 60.
उत्तर—(d) ₹ 60.

(13)

29. उत्पादक के सन्तुलन की दृष्टि से परिवर्तनशील अनुपातों के नियम का कौन-सा चरण उत्पादक के लिए अधिक व्यावहारिक है—
(a) प्रथम चरण (b) द्वितीय चरण
(c) तृतीय चरण (d) उपर्युक्त सभी।
उत्तर—(b) द्वितीय चरण।

30. निम्नलिखित में से कौन-सी दशाएँ प्रथम चरण का निर्धारण करती हैं—
(a) जब तक सीमान्त भौतिक उत्पादकता बढ़ती जाती है
(b) जब तक सीमान्त भौतिक उत्पादकता औसत उत्पादकता से अधिक होती है
(c) जब तक कुल भौतिक उत्पादकता बढ़ती जाती है
(d) जब तक औसत भौतिक उत्पादकता घटती जाती है।
उत्तर—(b) जब तक सीमान्त भौतिक उत्पादकता औसत उत्पादकता से अधिक होती है।

31. पैमाने का प्रतिफल विश्लेषण निम्न में से किस मान्यता पर आधारित है—
(a) एक साधन स्थिर तथा दूसरा साधन परिवर्तनशील होता है
(b) उत्पादन के अन्य सभी साधन स्थिर, किन्तु एक साधन परिवर्तनशील होता है
(c) सभी साधनों में परिवर्तन होता है, किन्तु उनके अनुपात में अन्तर होता है
(d) सभी साधनों के परस्पर अनुपात को स्थिर रखते हुए उनके पैमाने में परिवर्तन होता है।
उत्तर—(d) सभी साधनों के परस्पर अनुपात को स्थिर रखते हुए उनके पैमाने में परिवर्तन होता है।

32. पैमाने में वृद्धि का अर्थ है—
(a) सभी साधनों को एक ही अनुपात में बढ़ाना
(b) सभी साधनों को भिन्न-भिन्न अनुपातों में बढ़ाना
(c) एक साधन को स्थिर रखकर अन्य साधनों को बढ़ाना
(d) केवल एक साधन को बढ़ाना।
उत्तर—(a) सभी साधनों को एक ही अनुपात में बढ़ाना।

33. जब साधनों में 10% वृद्धि होने पर प्रदा में 10% से अधिक वृद्धि हो जाए, तो ऐसी अवस्था को कहेंगे—
(a) पैमाने के स्थिर प्रतिफल की अवस्था (b) पैमाने के घटते प्रतिफल की अवस्था
(c) पैमाने के बढ़ते प्रतिफल की अवस्था (d) उपर्युक्त सभी सत्य।
उत्तर—(c) पैमाने के बढ़ते प्रतिफल की अवस्था।

34. लागत के रूप में उत्पत्ति ह्रास नियम को कहा जाता है—
(a) लागत वृद्धि नियम (b) लागत ह्रास नियम
(c) लागत समता नियम (d) परिवर्तनशील लागतों का नियम।
उत्तर—(a) लागत वृद्धि नियम।

35. एक फर्म द्वारा किसी उत्पादन के साधन को क्रय करने में हुई लागत कहलाती है—
(a) अस्पष्ट लागत (b) स्पष्ट लागत
(c) स्थिर लागत (d) परिवर्तनशील लागत।
उत्तर—(b) स्पष्ट लागत।

36. स्थिर लागत को निम्न में से किस नाम से पुकारा जाता है—
(a) विशिष्ट लागत (b) प्रधान लागत
(c) प्रत्यक्ष लागत (d) ऊपरी लागत।
उत्तर—(c) प्रत्यक्ष लागत।

37. कच्चे माल पर व्यय है—
(a) स्थिर लागत (b) परिवर्तनशील लागत
(c) अवसर लागत (d) वास्तविक लागत।
उत्तर—(b) परिवर्तनशील लागत।

(14)

38. कारखाने का किराया है—
(a) स्थिर लागत (b) परिवर्तनशील लागत
(c) सीमान्त लागत (d) अवसर लागत।
उत्तर—(a) स्थिर लागत।

39. कुल स्थिर लागत + कुल परिवर्तनशील लागत = ?
(a) सीमान्त लागत (b) औसत लागत (c) कुल लागत (d) ये सभी।
उत्तर—(c) कुल लागत

40. जब किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई का उत्पादन किया जाता है तो उस इकाई की लागत को कहते हैं—
(a) सीमान्त लागत (b) औसत लागत (c) कुल लागत (d) अवसर लागत
उत्तर—(a) सीमान्त लागत।

41. स्थिर लागत (*FC*) वक्र सदैव—
(a) बाएँ से दाएँ नीचे की ओर झुकता है (b) X-अक्ष के समानान्तर होता है
(c) Y-अक्ष के समानान्तर होता है (d) U-आकृति का होता है।
उत्तर—(b) X-अक्ष के समानान्तर होता है।

42. निम्न में से कौन-सा कथन उपयुक्त है—
(a) प्रारम्भ में सीमान्त लागत घटती है जो औसत लागतों को गिरा देती है
(b) प्रारम्भ में औसत लागत घटती है जो सीमान्त लागतों को घटा देती है
(c) औसत एवं सीमान्त लागत एक साथ घटती-बढ़ती है
(d) औसत एवं सीमान्त लागत साथ-साथ घटती है, परन्तु अलग-अलग बढ़ती है।
उत्तर—(a) प्रारम्भ में सीमान्त लागत घटती है जो औसत लागतों को गिरा देती है।

43. सीमान्त लागत वक्र औसत लागत वक्र को काटता है—
(a) उच्चतम बिन्दु पर (b) निम्नतम बिन्दु पर (c) किसी भी बिन्दु पर (d) ये सभी सत्य।
उत्तर—(b) निम्नतम बिन्दु पर।

44. उत्पादन लागत का वह भाग जो स्वयं के साधनों के रूप में लगता है, कहलाता है—
(a) मौद्रिक लागत (b) वास्तविक लागत (c) अव्यक्त लागतें (d) व्यक्त लागतें।
उत्तर—(c) अव्यक्त लागतें

45. औसत कुल लागत – औसत स्थिर लागत = ?
(a) अवसर लागत (b) औसत परिवर्तनशील लागत
(c) मौद्रिक लागत (d) वास्तविक लागत।
उत्तर—(b) औसत परिवर्तनशील लागत।

46. लागत वक्रों की आकृति निम्न में से किन पर निर्भर करती है—
(a) उत्पत्ति के नियमों पर (b) माँग के नियम पर
(c) पूर्ति के नियम पर (d) उपर्युक्त सभी पर।
उत्तर—(a) उत्पत्ति के नियमों पर।

47. कौन-सा वक्र U आकार का नहीं है—
(a) *AC* (b) *AVC* (c) *AFC* (d) *MC*.
उत्तर—(c) *AFC*.

48. *LAC* वक्र को—
(a) *SMC* वक्रों के न्यूनतम बिन्दुओं को मिलाकर बनाया जाता है
(b) *SAC* वक्रों के न्यूनतम बिन्दुओं को मिलाकर बनाया जाता है
(c) *AVC* वक्रों के न्यूनतम बिन्दुओं को मिलाकर बनाया जाता है
(d) उन बिन्दुओं को मिलाकर बनाया जाता है जहाँ पर *AFC* एवं *AVC* एक-दूसरे को काटते हैं।
उत्तर—(b) *SAC* वक्रों के न्यूनतम बिन्दुओं को मिलाकर बनाया जाता है।

9. उत्पादन फलन को व्यक्त करता है—

(a) $Q_x = P_x$
(b) $Q_x = f(A, B, C, D)$
(c) $Q_x = D_x$
(d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(b) $Q_x = f(A, B, C, D)$.

10. अल्पकालीन उत्पादन फलन की व्याख्या निम्नलिखित में से किस नियम के द्वारा की जाती है—

(a) माँग के नियम द्वारा
(b) परिवर्तनशील अनुपातों के नियम द्वारा
(c) पैमाने के प्रतिफल नियम द्वारा
(d) सम-सीमान्त उपयोगिता नियम द्वारा।

उत्तर—(b) परिवर्तनशील अनुपातों के नियम द्वारा।

11. दीर्घकालीन उत्पादन फलन का सम्बन्ध निम्न में से किससे है—

(a) पैमाने के प्रतिफल नियम से
(b) उत्पत्ति वृद्धि नियम से
(c) उपयोगिता ह्रास नियम से
(d) उपर्युक्त सभी से।

उत्तर—(a) पैमाने के प्रतिफल नियम से।

12. अल्पकालीन उत्पादन फलन में साधनों का बदलता है—

(a) अनुपात
(b) पैमाना
(c) दोनों
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(a) अनुपात।

13. पैमाने का विचार—

(a) अतिअल्पकालीन है
(b) अल्पकालीन है
(c) दीर्घकालीन है
(d) समय से सम्बन्धित नहीं है।

उत्तर—(c) दीर्घकालीन है।

14. अल्पकालीन उत्पादन प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौन-से साधन होते हैं—

(a) स्थिर साधन
(b) परिवर्तनशील साधन
(c) दोनों प्रकार के साधन
(d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर—(c) दोनों प्रकार के साधन।

15. एक श्रमिक लगाया जाता है तो उसके योगदान से कुल उत्पादन में जो वृद्धि होती है, उसे कहते हैं—

(a) कुल उत्पादन
(b) सीमान्त उत्पादन
(c) औसत उत्पादन
(d) भौतिक उत्पादकता।

उत्तर—(b) सीमान्त उत्पादन।

16. सभी साधनों की सीमान्त उत्पादकताओं का योग है—

(a) कुल उत्पादन
(b) सीमान्त उत्पादन
(c) औसत उत्पादन
(d) भौतिक उत्पादन।

उत्तर—(a) कुल उत्पादन।

17. औसत उत्पादन है—

(a) एक इकाई बढ़ने से कुल उत्पादन में होने वाली वृद्धि
(b) कुल उत्पादन का साधनों की इकाइयों में विभाजन
(c) परिवर्तनशील साधनों का योगदान
(d) स्थिर साधनों की उत्पादकता।

उत्तर—(b) कुल उत्पादन का साधनों की इकाइयों में विभाजन।

18. उत्पादन के प्रारम्भिक चरण में क्रमागत उत्पत्ति वृद्धि नियम कार्य करता है, क्योंकि—

(a) प्रति इकाई स्थिर लागतें घटती हैं
(b) प्रति इकाई परिवर्तनशील लागतें घटती हैं
(c) प्रति इकाई परिवर्तनशील लागतें बढ़ती हैं
(d) प्रति इकाई स्थिर लागतें बढ़ती हैं।

उत्तर—(a) प्रति इकाई स्थिर लागतें घटती हैं।

19. क्रमागत उत्पत्ति ह्रास नियम में निम्न में से किसका ह्रास होता है—

(a) कुल भौतिक उत्पादकता
(b) परिवर्तनशील साधन की सीमान्त उत्पादकता
(c) परिवर्तनशील साधन की औसत उत्पादकता
(d) परिवर्तनशील साधन की कुल उत्पादकता।

उत्तर—(b) परिवर्तनशील साधन की सीमान्त उत्पादकता।

20. सीमान्त उत्पादकता से आशय उत्पादन की उस मात्रा से है—

(a) कुल उत्पादन में परिवर्तनशील साधन से प्राप्त आय
(b) उत्पादन के अन्तिम साधन को लगाने से प्राप्त कुल उत्पादन
(c) किसी एक साधन की मात्रा बढ़ाने से कुल उत्पादन में वृद्धि
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर—(c) किसी एक साधन की मात्रा बढ़ाने से कुल उत्पादन में वृद्धि।

21. अल्पकाल में ऋणात्मक प्रतिफल की अवस्था में परिवर्तनशील साधन की सीमान्त उत्पादकता होती है—

(a) धनात्मक
(b) शून्य
(c) ऋणात्मक
(d) ये सभी।

उत्तर—(c) ऋणात्मक।

22. उत्पत्ति के तीनों नियमों को श्रीमति जॉन रॉबिन्सन ने केवल एक नियम के तीन चरण माना है। उस नियम का नाम है—

(a) परिवर्तनशील अनुपातों का नियम
(b) पैमाने के प्रतिफल
(c) उत्पादन फलन
(d) उत्पादक का सन्तुलन।

उत्तर—(a) परिवर्तनशील अनुपातों का नियम।

23. जब औसत उत्पादकता गिरती है तब सीमान्त उत्पादकता औसत उत्पादकता—

(a) के बराबर होती है
(b) से कम होती है
(c) से अधिक होती है
(d) उपर्युक्त सभी असत्य।

उत्तर—(c) से अधिक होती है।

24. जब कुल उत्पादकता अधिकतम होती है तो—

(a) सीमान्त उत्पादकता अधिकतम होती है
(b) सीमान्त उत्पादकता ऋणात्मक होती है
(c) सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है
(d) उपर्युक्त सभी असत्य।

उत्तर—(c) सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है।

25. उत्पत्ति ह्रास नियम उस स्थिति का नाम है, जिसमें—

(a) सीमान्त उत्पादन घटता जाता है
(b) औसत उत्पादन घटता जाता है
(c) सीमान्त एवं औसत उत्पादन दोनों घटते हैं, किन्तु दोनों धनात्मक होते हैं
(d) कुल उत्पादन घटता जाता है।

उत्तर—(c) सीमान्त एवं औसत उत्पादन दोनों घटते हैं, किन्तु दोनों धनात्मक होते हैं।

26. श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने ह्रासमान प्रवृत्ति का निम्न में से क्या कारण बताया—

(a) प्रकृति का हाथ
(b) साधनों के अनुपात में परिवर्तन
(c) साधनों की विभाज्यता
(d) साधनों की मात्रा में कमी।

उत्तर—(b) साधनों के अनुपात में परिवर्तन।

27. क्रमागत उत्पत्ति वृद्धि नियम उस स्थिति को कहते हैं, जब तक—

(a) कुल उत्पादन बढ़ता जाए
(b) औसत उत्पादन बढ़ता जाए
(c) सीमान्त उत्पादन बढ़ता जाए
(d) सीमान्त उत्पादन औसत उत्पादन से अधिक रहे।

उत्तर—(d) सीमान्त उत्पादन औसत उत्पादन से अधिक रहे।

28. उत्पादन की दूसरी अवस्था में श्रम की औसत उत्पादकता—

(a) घटती है
(b) बढ़ती है
(c) न्यूनतम होती है
(d) अधिकतम होती है।

उत्तर—(a) घटती है।

प्रश्न 39—सीमान्त लागत से क्या आशय है?

उत्तर—किसी वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन से कुल लागत में जो वृद्धि होती है, उसे **सीमान्त लागत** (MC) कहते हैं। सूत्र रूप में,

$$MC = TC_N - TC_{N-1}$$

प्रश्न 40—औसत लागत किसे कहते हैं?

उत्तर—कुल लागत को कुल उत्पादित इकाइयों से भाग देने पर जो लागत आती है, वही **औसत लागत** (AC) कहलाती है। सूत्र रूप में,

$$\text{औसत लागत} = \frac{\text{कुल लागत}}{\text{कुल उत्पादित इकाइयाँ}}$$

प्रश्न 41—औसत लागत वक्र की आकृति कैसी होती है?

उत्तर—औसत लागत वक्र U आकार का होता है।

प्रश्न 42—मौद्रिक लागत में क्या-क्या लागतें सम्मिलित होती हैं?

उत्तर—मौद्रिक लागत = स्पष्ट लागतें + अस्पष्ट लागतें + सामान्य लाभ।

प्रश्न 43—स्थिर लागत (FC) से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—स्थिर लागत वह लागत है जिसकी कुल राशि अल्पकाल में उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन होने पर भी पूर्णतः अपरिवर्तित रहती है।

प्रश्न 44—परिवर्ती लागत (VC) से क्या आशय है?

उत्तर—परिवर्ती लागत वह लागत है जिसकी राशि उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन के साथ-साथ परिवर्तित होती रहती है।

प्रश्न 45—अवसर लागत क्या है?

उत्तर—वस्तु X की एक इकाई की अवसर लागत वस्तु Y की त्यागी गई मात्रा के बराबर है।

प्रश्न 46—सीमान्त लागत सदैव किस स्थिति में होती है?

उत्तर—सीमान्त लागत (MC) सदैव धनात्मक स्थिति में होती है।

प्रश्न 47—उत्पादन शून्य होने पर अल्पकाल में स्थिर लागत कैसी होगी?

उत्तर—उत्पादन शून्य होने पर भी अल्पकाल में स्थिर लागत धनात्मक होगी।

प्रश्न 48—उत्पादन बढ़ने पर औसत स्थिर लागत कैसी होगी?

उत्तर—उत्पादन बढ़ने पर औसत स्थिर लागत (AFC) निरन्तर कम होती जाएगी।

प्रश्न 49—औसत स्थिर लागत (AFC) का आकार कैसा होगा?

उत्तर—औसत स्थिर लागत (AFC) का आकार आयताकार अतिपरवलय (Rectangular Hyperbola) होगा।

प्रश्न 50—औसत लागत (AC) और सीमान्त लागत (MC) में कैसा सम्बन्ध पाया जाता है?

उत्तर—(i) जब औसत लागत गिरती है तो सीमान्त लागत भी गिरती है और औसत लागत से कम होती है।

(ii) जब औसत लागत बढ़ती है तो सीमान्त लागत भी बढ़ती है तथा औसत लागत की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ती है।

प्रश्न 51—निजी लागतें क्या होती हैं?

उत्तर—निजी लागतें वे लागतें होती हैं जो एक निजी फर्म को वस्तु का उत्पादन करने में उठानी पड़ती हैं।

प्रश्न 52—सामाजिक लागतें क्या होती हैं?

उत्तर—किसी वस्तु का उत्पादन करने पर समाज को जो वास्तविक त्याग करना पड़ता है, वह **सामाजिक लागत** कहलाती है।

प्रश्न 53—यदि सीमान्त लागत औसत लागत से अधिक है तो औसत लागत पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

उत्तर—यदि सीमान्त लागत औसत लागत से अधिक है तो औसत लागत न्यूनतम होने के बाद बढ़ने लगती है।

प्रश्न 54—स्पष्ट लागत क्या है?

उत्तर—एक वस्तु का उत्पादन करने के लिए प्रयोग में लाए गए साधनों को जो पुरस्कार मुद्रा के रूप में दिया जाता है, उसे **स्पष्ट लागत** कहते हैं।

प्रश्न 55—अस्पष्ट लागत से क्या आशय है?

उत्तर—उत्पादक के निजी साधनों के बाजार दर पर पुरस्कार को **अस्पष्ट लागत** कहते हैं।

प्रश्न 56—वास्तविक लागत से क्या आशय है?

उत्तर—वास्तविक लागत से अभिप्राय उन सभी कष्ट, त्याग और प्रयत्नों से है जो कि उत्पादन के साधनों को किसी वस्तु का उत्पादन करने के लिए उठाने पड़ते हैं।

प्रश्न 57—आर्थिक लागत = ?

उत्तर—आर्थिक लागत = स्पष्ट लागत + अस्पष्ट लागत।

प्रश्न 58—प्रतिस्थापन लागत क्या है?

उत्तर—पुरानी पूँजीगत परिसम्पत्ति के प्रचलन से बाहर हो जाने पर जो इसी प्रकार की नई पूँजीगत परिसम्पत्ति पर व्यय करना पड़ता है, उसे **प्रतिस्थापन लागत** कहते हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्नोत्तर

● **नोट**—निम्न वाक्यों में उचित विकल्प का चयन कीजिए—

1. अर्थशास्त्र में उत्पादन का क्या अर्थ है—

(a) भौतिक वस्तुओं का सृजन (b) उपयोगिता का सृजन
(c) उत्पत्ति के साधनों को जुटाना (d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर—(b) उपयोगिता का सृजन।

2. निम्नलिखित में कौन उत्पादक नहीं है—

(a) भिखारी (b) दर्जी
(c) व्यापारी (d) अध्यापक।

उत्तर—(a) भिखारी।

3. 'आर्थिक उपयोगिता का सृजन' ही उत्पादन है। यह परिभाषा किसने दी है—

(a) ब्राउन (b) एली
(c) कीन्स (d) एच० स्मिथ।

उत्तर—(b) एली।

4. 'वस्तु के मूल्य में वृद्धि करना ही उत्पादन है।' यह परिभाषा किसने दी है—

(a) मार्शल (b) एली
(c) थॉमस (d) कीन्स।

उत्तर—(c) थॉमस।

5. उपयोगिता वृद्धि की रीतियाँ हैं—

(a) रूप परिवर्तन द्वारा (b) स्थान परिवर्तन द्वारा
(c) समय परिवर्तन द्वारा (d) ये सभी।

उत्तर—(d) ये सभी।

6. उत्पादन का मौलिक उद्देश्य है—

(a) लाभ अर्जन (b) रोजगार सृजन
(c) मानव सन्तुष्टि (d) मानव कल्याण।

उत्तर—(a) लाभ अर्जन।

7. उत्पादन सम्भव नहीं है—

(a) भूमि और पूँजी के अभाव में (b) भूमि और श्रम के अभाव में
(c) श्रम और पूँजी के अभाव में (d) पूँजी और साहस के अभाव में।

उत्तर—(b) भूमि और श्रम के अभाव में।

8. उत्पादन फलन में उत्पादन किसका फलन है—

(a) उत्पत्ति के साधनों का (b) कीमत का
(c) कुल व्यय का (d) उपर्युक्त सभी का।

उत्तर—(a) उत्पत्ति के साधनों का।

प्रश्न 10—दीर्घकालीन उत्पादन फलन से क्या आशय है?

उत्तर—जब उत्पादन के सभी साधन परिवर्तनशील होते हैं अर्थात् जब किसी भी साधन को स्थिर न रखकर सभी साधनों की मात्रा में वृद्धि की जाती है तो उसे **दीर्घकालीन उत्पादन फलन** कहते हैं।

प्रश्न 11—कुल भौतिक उत्पाद से क्या आशय है?

उत्तर—अन्य साधनों को स्थिर रखते हुए, एक साधन से रोजगार के विशेष स्तर पर जो कुल उत्पादन होता है, उसे **कुल भौतिक उत्पाद** कहते हैं।

प्रश्न 12—औसत भौतिक उत्पाद से क्या आशय है?

उत्तर—कुल भौतिक उत्पाद को परिवर्तनशील साधन की इकाइयों से भाग देने पर जो भागफल प्राप्त होता है, उसे **औसत भौतिक उत्पाद** कहते हैं।

प्रश्न 13—सीमान्त भौतिक उत्पाद से क्या आशय है?

उत्तर—उत्पादन के परिवर्तनशील साधन की एक अतिरिक्त इकाई का प्रयोग करने से जो कुल भौतिक उत्पाद में परिवर्तन होता है उसे **सीमान्त भौतिक उत्पाद** कहते हैं।

प्रश्न 14—यदि कुल भौतिक उत्पाद गिर रहा हो तो सीमान्त भौतिक उत्पाद की प्रकृति कैसी होगी?

उत्तर—यदि कुल भौतिक उत्पाद गिर रहा है तो सीमान्त भौतिक उत्पादक ऋणात्मक होगा।

प्रश्न 15—सीमान्त भौतिक उत्पाद वक्र कैसा होता है? चित्र बनाइए।

उत्तर—सीमान्त भौतिक उत्पाद वक्र *(MPP)* सदैव U के उल्टे आकार का होता है। (देखिए चित्र-3.27)।

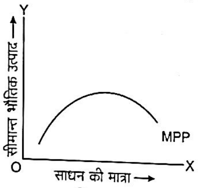

चित्र-3.27

प्रश्न 16—औसत भौतिक उत्पाद (APP) वक्र का सामान्य आकार कैसा होता है?

उत्तर—औसत भौतिक उत्पाद *(APP)* वक्र का आकार सामान्यत: उल्टे U अक्षर के आकार का होता है।

प्रश्न 17—पैमाने के प्रतिफल से आप क्या समझते हैं?

उत्तर—पैमाने के प्रतिफल का विचार इस बात का अध्ययन करता है कि यदि उत्पत्ति के साधनों में आनुपातिक परिवर्तन कर दिया जाए तो उत्पादन में किस प्रकार परिवर्तन होगा।

प्रश्न 18—परिवर्तनशील अनुपातों का नियम किस काल से सम्बन्धित है?

उत्तर—अल्पकाल से।

प्रश्न 19—पैमाने के प्रतिफल किस काल से सम्बन्धित हैं?

उत्तर—दीर्घकाल से।

प्रश्न 20—उत्पत्ति ह्रास नियम का क्षेत्र क्या है?

उत्तर—उत्पत्ति ह्रास नियम उत्पादन के सभी क्षेत्रों—कृषि, उद्योग में लागू होता है।

प्रश्न 21—क्या उत्पत्ति ह्रास नियम की क्रियाशीलता को स्थगित किया जा सकता है?

उत्तर—उत्पत्ति ह्रास नियम की क्रियाशीलता को कुछ समय के लिए स्थगित किया जा सकता है, किन्तु अन्तत: यह नियम अवश्य लागू होगा।

प्रश्न 22—उत्पत्ति वृद्धि नियम की क्रियाशीलता पर किन-किन घटकों का प्रभाव पड़ता है?

उत्तर—उत्पत्ति वृद्धि नियम की क्रियाशीलता पर बड़े पैमाने की बचतें, श्रम विभाजन, नए-नए आविष्कार आदि घटकों का प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 23—उत्पादन की प्रारम्भिक अवस्था में उत्पत्ति वृद्धि नियम क्यों लागू होता है?

उत्तर—उत्पादन की प्रारम्भिक अवस्था में उत्पत्ति वृद्धि नियम लागू होता है, क्योंकि इस दशा में पैमाने की मितव्ययिताएँ प्राप्त होती हैं।

प्रश्न 24—कुल उत्पादन कब अधिकतम होता है?

उत्तर—कुल उत्पादन तब अधिकतम होता है, जब सीमान्त उत्पादन शून्य होता है।

प्रश्न 25—क्या कुल उत्पादन तथा औसत उत्पादन शून्य हो सकता है?

उत्तर—नहीं। यदि उत्पादन प्रक्रिया जारी है तो कुल उत्पादन एवं औसत उत्पादन शून्य नहीं हो सकता।

प्रश्न 26—अल्पकाल क्या होता है?

उत्तर—अल्पकाल वह समयावधि होती है जिसमें एक फर्म अपने उत्पादन के कुछ ही साधनों में परिवर्तन करके उत्पादन को कुछ सीमा (स्टॉक) तक बढ़ा सकती है।

प्रश्न 27—दीर्घकाल क्या होता है?

उत्तर—दीर्घकाल वह समयावधि है जिसमें एक फर्म उत्पादन के सभी साधनों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन कर सकती है।

प्रश्न 28—उत्पादन के स्थिर साधन क्या होते हैं?

उत्तर—उत्पादन के स्थिर साधन वे साधन होते हैं जिनमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता।

प्रश्न 29—उत्पादन के परिवर्ती साधन क्या होते हैं?

उत्तर—उत्पादन के परिवर्ती साधन वे साधन होते हैं, जिनमें परिवर्तन किया जा सकता है; जैसे—श्रम, पूँजी।

प्रश्न 30—पैमाने के प्रतिफल से क्या आशय है?

उत्तर—पैमाने के प्रतिफल का सम्बन्ध सभी साधनों के समान अनुपात वाले परिवर्तन के कारण उत्पादन में होने वाले परिवर्तन से है।

प्रश्न 31—पैमाने के बढ़ते प्रतिफल से क्या आशय है?

उत्तर—बढ़ते प्रतिफल का पैमाना उस समय लागू होता है जब कुल उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि सभी साधनों की आनुपातिक वृद्धि की तुलना में अधिक होती है।

प्रश्न 32—पैमाने के समान प्रतिफल से क्या आशय है?

उत्तर—समान प्रतिफल का पैमाना उस समय लागू होता है जब कुल उत्पादन में उसी अनुपात में वृद्धि होती है जिस अनुपात में उत्पादन के सभी साधनों को बढ़ाया जाता है।

प्रश्न 33—पैमाने के घटते प्रतिफल से क्या आशय है?

उत्तर—घटते प्रतिफल का पैमाना उस समय लागू होता है जब कुल उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि सभी की आनुपातिक वृद्धि की तुलना में कम होती है।

प्रश्न 34—आन्तरिक बचतें क्या हैं?

उत्तर—एक विशेष फर्म का आकार बढ़ने से उसकी आन्तरिक व्यवस्था व संगठन में सुधार होने के कारण उस फर्म को जो बचतें प्राप्त होती हैं, उन्हें **आन्तरिक बचतें** कहा जाता है।

प्रश्न 35—बाह्य बचतें क्या हैं?

उत्तर—बाह्य बचतें वे लाभ व सुविधाएँ हैं जो किसी विशेष उद्योग की सभी फर्मों को प्राप्त होती हैं। ये एक फर्म के निजी प्रयत्नों का परिणाम नहीं होती बल्कि सम्पूर्ण उद्योग के उत्पादन में वृद्धि का परिणाम होती हैं।

प्रश्न 36—उत्पादन लागत से क्या आशय है?

उत्तर—उत्पादन लागत के अन्तर्गत वे सभी व्यय सम्मिलित किए जाते हैं जो किसी उत्पादक या फर्म द्वारा वस्तु के उत्पादन व्यय के रूप में उठाए जाते हैं।

प्रश्न 37—मौद्रिक लागत से क्या आशय है?

उत्तर—सामान्यत: मौद्रिक लागतों के अन्तर्गत वे लागतें आती हैं जिन्हें कोई उत्पादक उत्पत्ति के साधनों के प्रयोग के लिए मुद्रा के रूप में व्यय करता है।

प्रश्न 38—स्पष्ट लागतों से क्या आशय है?

उत्तर—स्पष्ट लागतों से आशय उन मौद्रिक लागतों से है जो उत्पादक बाह्य साधनों को उनके प्रयोग के लिए भुगतान करता है।

अतिलघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

(6)

प्रश्न 1—अर्थशास्त्र में उत्पादन का अर्थ बताइए।

उत्तर—साधारण अर्थों में उत्पादन से आशय किसी भौतिक वस्तु के निर्माण से लिया जाता है, किन्तु मनुष्य किसी भी भौतिक वस्तु का निर्माण नहीं कर सकता, वह तो केवल उसके अन्दर विद्यमान उपयोगिता का सृजन कर सकता है। अत: **किसी वस्तु में उपयोगिता का सृजन अथवा वृद्धि ही उत्पादन है।**

प्रश्न 2—प्रो० एली द्वारा प्रतिपादित उत्पादन की परिभाषा लिखिए।

उत्तर—प्रो० एली के अनुसार, "आर्थिक उपयोगिता का सृजन ही उत्पादन है।"

प्रश्न 3—उपयोगिता सृजन की विभिन्न विधियाँ बताइए।

उत्तर—उपयोगिता सृजन की विधियाँ हैं—(i) स्वरूप में परिवर्तन द्वारा, (ii) स्थान परिवर्तन द्वारा, (iii) समय परिवर्तन द्वारा, (iv) अधिकार परिवर्तन द्वारा, (v) सेवा द्वारा, (vi) ज्ञान द्वारा।

प्रश्न 4—'फलन' शब्द का अर्थ बताइए।

उत्तर—फलन दो चरों के पारस्परिक निर्भरता सम्बन्धों को प्रकट करता है। दूसरे शब्दों में, यह परतन्त्र चर की स्वतन्त्र चर पर निर्भरता की व्याख्या करता है।

प्रश्न 5—स्वतन्त्र चर क्या होता है?

उत्तर—स्वतन्त्र चर वह चर है जो स्वतन्त्र रूप से व्यवहार करता है।

प्रश्न 6—परतन्त्र चर अथवा आश्रित चर से क्या आशय है?

उत्तर—परतन्त्र चर वे चर हैं जो अपना स्वतन्त्र अस्तित्व नहीं रखते तथा दूसरे चरों से प्रभावित होते हैं।

प्रश्न 7—निम्न फलन में स्वतन्त्र चर एवं परतन्त्र चर कौन-से हैं?

$$Y = f(X)$$

उत्तर—उपर्युक्त फलन में,

X स्वतन्त्र चर है तथा Y परतन्त्र चर है।

प्रश्न 8—उत्पादन फलन की परिभाषा दीजिए।

उत्तर—किसी फर्म के निर्गत अथवा उत्पाद (Output) और आगत अथवा आदा (Input) के बीच के सम्बन्धों को **उत्पादन फलन** कहते हैं।

सूत्रानुसार,

$$P = f(a, b, c, \ldots\ldots n)$$

यहाँ P = वस्तु X की प्रदा की दर $a, b, c, \ldots\ldots n$ विभिन्न साधन सेवाएँ जिन्हें प्रति समय इकाई प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न 9—अल्पकालीन उत्पादन फलन से क्या आशय है?

उत्तर—जब उत्पादन के कुछ साधनों की मात्रा को स्थिर रखते हुए, अन्य परिवर्तनशील साधनों की मात्रा में वृद्धि की जाती है तो उसे **अल्पकालीन उत्पादन फलन** कहते हैं।

(5)

(I). औसत लागत = $\frac{\text{कुल लागत}}{\text{उत्पादित इकाइयाँ}}$

औसत लागत = औसत स्थिर लागत + औसत परिवर्तनशील लागत

(II) औसत लागत प्रारम्भ में घटती है और फिर इसमें बढ़ने की प्रवृत्ति होती है।

(III) औसत लागत रेखा U आकार की होती है।

(IV) जहाँ औसत लागत रेखा न्यूनतम होती है, उसे आदर्श उत्पादन कहते हैं।

- कुल लागत, कुल स्थिर लागत एवं कुल परिवर्ती लागत में सम्बन्ध

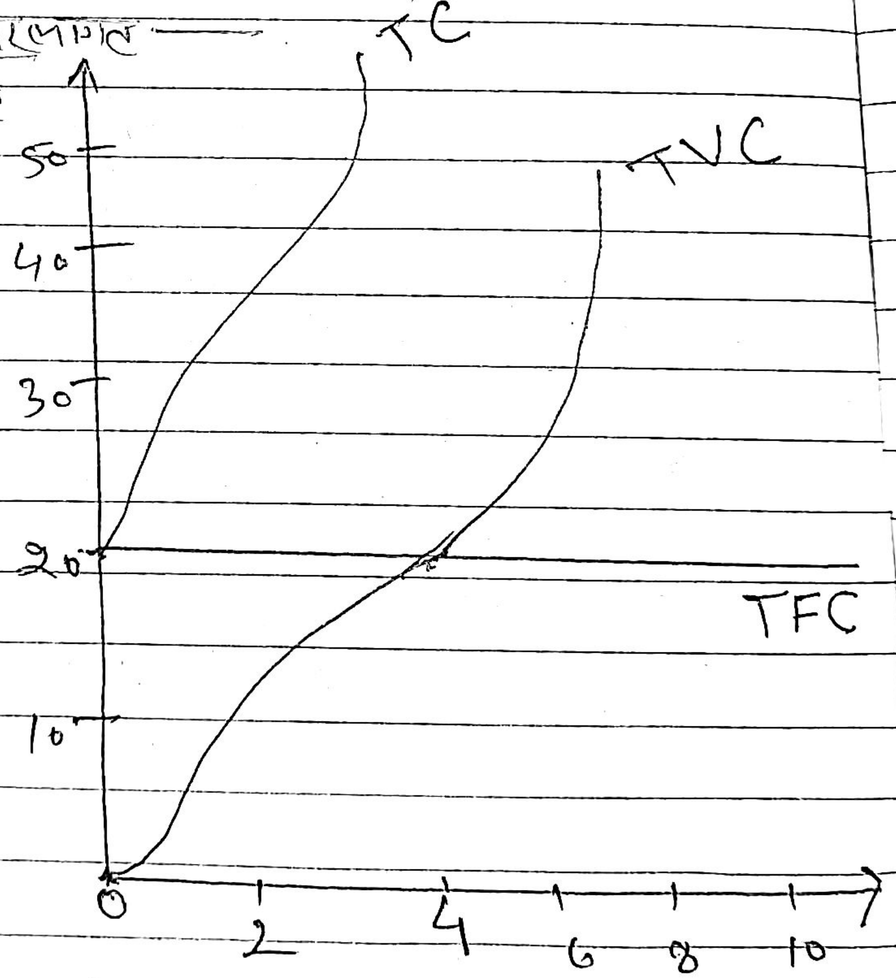

TC, TFC और TFC में सम्बन्ध

TFC OX के समानान्तर होती है जिसका अर्थ है कि उत्पादन के स्तर में परिवर्तन होने पर भी यह लागत स्थिर रहती है। इसके विपरीत उत्पादन बढ़ने पर TVC बढ़ जाती है। और उत्पादन के शून्य होने पर शून्य रहती है। उत्पादन शून्य होने पर (TC = TFC)

प्रश्न – सीमान्त लागत एवं औसत लागत से आप क्या समझते है।

उत्तर – सीमान्त लागत (Marginal cost) – एक अतिरिक्त इकाई के उत्पादन से कुल लागत में जितनी वृद्धि होती है, उसे उस इकाई विशेष की सीमान्त लागत कहते है। अर्थात

$$MC = \frac{\Delta TC}{\Delta Q} = \frac{\text{कुल लागत में परिवर्तन}}{\text{उत्पादन मात्रा में परिवर्तन}}$$

औसत लागत ~~औसत उत्पादन~~ (Averge cost) – कुल लागत को उत्पादन से भाग देने पर जो लागत प्राप्त होती है, वह औसत लागत कहलाती है। इसे प्रति इकाई लागत भी कहते है।

$$\text{औसत लागत} = \frac{\text{कुल लागत}}{\text{कुल उत्पादन इकाइयाँ}}$$

$$\text{या } AC = \frac{TC}{Q}$$

सीमान्त लागत तथा औसत लागत में सम्बन्ध रेखाचित्र द्वारा –

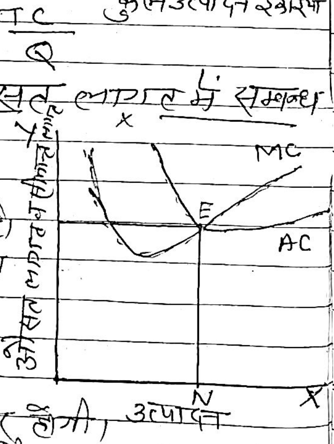

① औसत लागत के कम होने पर सीमान्त लागत भी कम होती है।
② औसत लागत के बढ़ने पर सीमान्त लागत हमेशा औसत लागत से अधिक होगी।
③ यदि औसत लागत स्थिर है तो वह सीमान्त लागत के बराबर होगी।
④ सीमान्त लागत रेखा औसत लागत रेखा को नीचे से उसके निम्नतम बिन्दु पर काटेगी।

औसत स्थिर लागत (Average fixed cost): –

औसत स्थिर लागत कुल स्थिर लागत में उत्पादित इकाइयों से भाग देने पर प्राप्त होता है। सूत्र रूप में –

$$\text{औसत स्थिर लागत} = \frac{\text{कुल स्थिर लागत}}{\text{उत्पादित की गयी इकाइयाँ}}$$

कुल स्थिर लागत अल्पकाल में स्थिर होती है, परन्तु उत्पादन की मात्रा में जैसे जैसे वृद्धि होती जाती है। वैसे औसत स्थिर लागत रेखा अपनी पूरी लम्बाई के साथ नीचे दायीं ओर गिरती रहती है। जब उत्पादन शून्य होने लगता है तो औसत स्थिर लागत अनन्त की ओर बढ़ने लगता है। दूसरी ओर जब उत्पादन जब बहुत ऊँचे स्तर पर पहुँच जाता है तो औसत स्थिर लागत शून्य के निकट हो जाती है, परन्तु यह हमेशा धनात्मक ही रहती है।

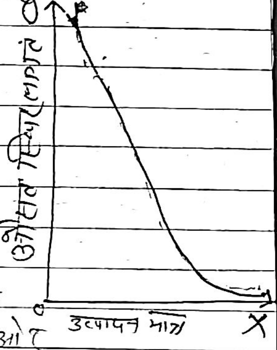

औसत परिवर्तनशील लागत (Average variable cost) –

औसत परिवर्तनशील लागत कुल परिवर्तनशील लागत में कुल उत्पादित वस्तुओं की इकाईयों से भाग देने पर प्राप्त होती है।

$$\text{औसत परिवर्तनशील लागत} = \frac{\text{कुल परिवर्तनशील लागत}}{\text{कुल उत्पादित वस्तु की इकाईयाँ}}$$

औसत परिवर्तनशील लागत वक्र पहले नीचे की ओर गिरता है, किन्तु Q बिन्दु के बाद ऊपर उठने लगता है और यह U आकार ग्रहण करती है।

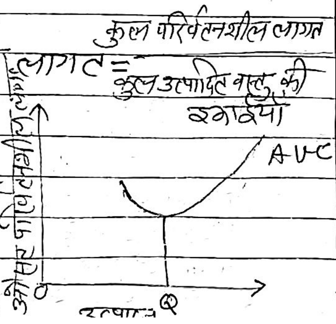

कक्षा -12

अर्थशास्त्र

इकाई 3 - उत्पादन तथा आगत

लघु उत्तरीय प्रश्न -

प्रश्न- उत्पादन से क्या आशय है? सीमान्त उत्पाद को समझाइये।

उत्तर- किसी वस्तु में उपयोगिता का सृजन अथवा वृद्धि करना ही उत्पादन है।

सीमान्त उत्पाद :- किसी परिवर्तनशील साधन की एक अतिरिक्त इकाई या एक कम इकाई का प्रयोग करने से कुल उत्पाद (TP) में जो अन्तर आता है, उसे उस इकाई का सीमान्त उत्पाद (MP) कहते हैं।

प्रश्न :- एक आगत के सीमान्त उत्पाद तथा कुल उत्पाद के बीच के सम्बन्ध को समझाइए?

उत्तर :- उत्पादन की तीन अवधारणाएँ हैं। - कुल उत्पाद (TP), सीमान्त उत्पाद (MP) तथा औसत उत्पाद (AP)।

1- कुल उत्पाद (Total Product) - किसी एक निश्चित समयावधि में उत्पत्ति के साधनों का प्रयोग करके उत्पादित की गई वस्तुओं और सेवाओं की कुल मात्रा को कुल उत्पाद (TP) कहा जाता है। सूत्र रूप में,

$$TP = \sum MP$$

यहाँ $\sum MP$ = एक साधन की विभिन्न इकाइयों से प्राप्त सीमान्त उत्पादों का योग है।

2 - सीमान्त उत्पाद (Marginal Product) - किसी परिवर्तनशील साधन (L) की एक इकाई में वृद्धि से कुल उत्पाद में जो वृद्धि

होती है उसे उस इकाई का सीमान्त उत्पाद कहते हैं। सूत्र रूप में

$$MP_N = TP_N - TP_{(N-1)}$$

MP_N = N वी इकाई का सीमान्त उत्पाद

TP_N = N इकाईयों का कुल उत्पाद

$TP_{(N-1)}$ = N-1 इकाइयों का कुल उत्पाद

अथवा = $MP = \frac{\Delta TP}{\Delta L}$

यहाँ ΔTP = कुल उत्पाद में परिवर्तन

ΔL = परिवर्तनशील साधन की इकाइयों में परिवर्तन (मात्रा/श्रम)

3 - औसत उत्पाद (Average Product) :- परिवर्तनशील साधन के प्रति इकाई उत्पाद को औसत उत्पाद कहा जाता है। अथवा — कुल उत्पाद को परिवर्तनशील साधन से भाग देने पर जो राशि प्राप्त होती है, उसे औसत उत्पाद कहते हैं।

$$AP = \frac{TP}{L}$$

AP = औसत उत्पाद, TP = कुल उत्पाद

L = परिवर्तनशील साधन (L) की इकाइयाँ

सीमान्त उत्पाद की विशेषताएं :-

1. स्थिर साधन को अपरिवर्तित रखने पर सीमान्त उत्पाद ~~की दर को बढ़ाता है।~~ कुल उत्पाद में परिवर्तन को बताता है।
2. जब सीमान्त उत्पाद में वृद्धि होती है तो कुल उत्पाद बढ़ती दर से बढ़ता है।
3. जब सीमान्त उत्पाद घटता है तो कुल उत्पाद में घटती दर से वृद्धि होती है।
4. जब सीमान्त उत्पाद शून्य होता है तो कुल उत्पाद में वृद्धि रुक जाती है।